समसामयिक भारत की उपलब्धियाँ

सत्यमेव जयते
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

नारी शक्ति वंदन

हम किसी से कम नहीं

प्राथमिक स्तर

कोड
3.2 पी

विशिष्ट सामग्री

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

3.2P_Hum kisi se kam nahini NSV Cover.indd 2 07-02-2024 17:43:34

फरवरी 2024
माघ 1945

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2024

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित।

कोड
3.2 पी

नारी शक्ति वंदन

हम किसी से कम नहीं

प्राथमिक स्तर

शीतल सुबह जल्दी उठ गई और समाचार पत्र लेकर पढ़ने लगी। उसको जल्दी उठा हुआ देखकर उसकी माँ ने आश्चर्य से पूछा, "क्या बात है शीतल आज तो तुम बहुत जल्दी उठ गई हो!" शीतल ने तुरंत कहा, "हाँ माँ, आज सुबह की बालसभा (प्रार्थना सभा) में मुझे समाचार पत्र के मुख्य समाचारों को सभी बच्चों व गुरुजनों के सामने पढ़ना है। यह कहते हुए वह जल्दी-जल्दी अपनी नोटबुक में मुख्य समाचारों को लिखने लगी।

शीतल जल्दी तैयार हुई और अपने पिता जी के साथ विद्यालय पहुँची। विद्यालय के मैदान में बच्चे अपनी कक्षा के अनुसार पंक्ति बना रहे थे। शीतल भी दौड़कर अपनी कक्षा चार की पंक्ति में आगे जाकर खड़ी हो गई। प्रार्थना समाप्त होते ही शिक्षिका ने शीतल को आगे आने और सभी को आज के मुख्य समाचार सुनाने के लिए कहा। शीतल अपनी नोटबुक लेकर आगे आई और समाचार पढ़ना शुरू किया—

नमस्कार!

आज के मुख्य समाचार इस प्रकार हैं—

"भारत की बेटियों ने रचा इतिहास,

देश को दिया पदकों का उपहार!"

एशियन खेलों में महिलाओं ने अलग-अलग खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।

"नारी शक्ति वंदन अधिनियम, संसद में हुआ पास,

देश में छाया खुशी और उल्लास का माहौल"

इसके बाद शीतल ने मौसम की जानकारी दी और सभी का धन्यवाद किया। इसके साथ ही प्रार्थना सभा विसर्जित हुई एवं सभी बच्चे पंक्तिबद्ध होकर अपनी-अपनी कक्षाओं में गए।

कक्षा में शीतल के सहपाठी ने उसके द्वारा समाचार पढ़ने के लिए उसे बधाई दी और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के बारे में पूछा। उसी समय शिक्षिका ने कक्षा में प्रवेश किया और उनकी चर्चा सुनकर कहा, "सभी बच्चे पहले अपनी-अपनी जगह पर बैठ जाएँ उसके बाद हम इस अधिनियम के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।" सभी बच्चे अपने-अपने स्थान पर बैठ जाते हैं और उत्सुकतापूर्वक चर्चा शुरू होने का इंतज़ार करते हैं।

3.2_Hum kisi sey kam nhi.indd 2 08-02-2024 20:17:21

नारी शक्ति वंदन विधेयक पर प्रधानमंत्री का संबोधन एवं विधेयक पारित होने के बाद महिला सांसदो में खुशी की लहर
(*स्रोत— https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pms-address-in-rajya-sabha-in-the-new-parliament-building/?comment=disable*)

शिक्षिका— हाँ, तो अब बताओ कि आप सब क्या जानना चाहते हैं?

शफीक— मैडम, शीतल ने आज 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के बारे में प्रार्थना में बताया था, नाम सुनकर तो अच्छा लगा 'नारी शक्ति', लेकिन हम आपसे इसके बारे में और जानकारी चाहते हैं।

शिक्षिका— ठीक है। मैं आपको सबसे पहले 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में से अधिनियम शब्द के बारे में बताती हूँ। जब देश के लिए कोई बहुत महत्वपूर्ण नियम या कानून बनता है तो उसे संसद में सबके सामने प्रस्तुत किया जाता है।

अचानक से शफीक बीच में बोलता है, "मैडम संसद क्या होती है?" शिक्षिका कहती है कि, "संसद देश की सर्वोच्च संस्था है, जहाँ संपूर्ण देश के जनप्रतिनिधि चुनाव द्वारा चुनकर आते हैं और देश की व्यवस्था संभालते हैं। किसी भी नियम को बनाने के लिए सबसे पहले संसद में प्रस्ताव रखा जाता है और उस पर चर्चा की जाती है। संसद के अधिकांश सदस्यों की स्वीकृति मिलने के बाद ही कोई भी प्रस्ताव पारित या स्वीकृत होता है। संविधान में कोई भी संशोधन करने के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। कोई भी विधेयक जब पारित या स्वीकृत हो जाए, तब उसे हम अधिनियम कहते हैं और वह संविधान के अनुसार कानून की तरह मान्य होता है।"

संसद भवन, नई दिल्ली का बाह्य और आंतरिक दृश्य
(*स्रोत— https://centralvista.gov.in/new-parliament-building.php*)

3.2_Hum kisi sey kam nhi.indd 3 08-02-2024 20:17:22

मरियम— मैडम अधिनियम शब्द तो समझ आ गया, लेकिन ये 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' क्या है?

शिक्षिका— ठीक है, इसे हम ऐसे समझते हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं, खेल जगत में कुछ महिलाएँ आगे आ रही हैं और पूरे विश्व में देश का नाम रौशन कर रही हैं। अभी हाल ही में हमारे देश की बेटियों ने एशियन खेलों में अपने खेल-कौशल का प्रदर्शन करते हुए देश का गौरव बढ़ाया।

एशियन खेलों के विजेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
(*स्रोत— https://www.narendramodi.in/prime-minister-narendra-modi-interacts-with-contingent-of-indian-athletes-who-participated-in-asian-games-574884*)

गतिविधि 1

एशियन खेलों में अपने पसंदीदा खेलों की किन्हीं तीन महिला खिलाड़ियों के नाम बताइए।

1. _____
2. _____
3. _____

इसी तरह अनेक महिलाएँ विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में भी अपना योगदान दे रही हैं। अभी हाल ही में हमने महिला वैज्ञानिकों को 'चंद्रयान-3' के सफल प्रक्षेपण में भागीदारी करते हुए देखा था।

चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के दौरान उत्साहित और खुशी व्यक्ति करतीं महिला वैज्ञानिक
(*स्रोत— https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pm-joins-isro-team-via-vc-to-witness-landing-of-chandrayaan-3/*)

3.2_Hum kisi sey kam nhi.indd 4 08-02-2024 20:17:23

इसके बाद हमने एक महिला वैज्ञानिक निगार शाजी के नेतृत्व में सूर्य के आस-पास के वायुमंडल का अध्ययन करने के लिए वहाँ पर आदित्य L-1 को भेजा।

आदित्य L-1
(स्रोत— https://www.isro.gov.in/AdityaL1_gallery.html)

गतिविधि 2

क्या आपने कभी सोचा है कि आप बड़े होकर क्या करेंगे? और अपने उस लक्ष्य के बारे में जानकारी कैसे प्राप्त करेंगे?

इसी तरह राजनैतिक क्षेत्र में देखा जाए तो यद्यपि वर्तमान में देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू हैं, लेकिन अभी भी राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। इसी कारण महिलाओं का राजनैतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने और उन्हें नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करने के अवसर देने के लिए जो प्रयास किए गए हैं, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' उन्हीं का परिणाम है।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू
(स्रोत— https://presidentofindia.nic.in/speeches/address-honble-president-india-smt-droupadi-murmu-occasion-call-probationers-various)

नवजोत— मैडम, महिलाएँ राजनीति में क्यों नहीं आती?

शिक्षिका— ऐसी बहुत-सी सामाजिक बाधाएँ हैं जिनके कारण महिलाएँ राजनीति में आने से संकोच करती हैं इसीलिए बहुत-सी महिलाएँ पंचायत स्तर पर तो महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं परंतु बहुत ही कम संख्या में महिलाएँ राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति में हैं। यह अधिनियम सभी महिलाओं को ये अवसर देगा कि वे अपनी क्षमताओं को पहचाने और राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीति में आकर देश के विकास में अपना योगदान दें।

गतिविधि 3

महिला राजनीतिज्ञों के नाम का उनके पदों से मिलान कीजिए।

- **श्रीमती निर्मला सीतारमण**	▶	◀	**पूर्व-राष्ट्रपति**
- **श्रीमती द्रौपदी मुर्मू**	▶	◀	**वित्त मंत्री**
- **श्रीमती प्रतिभा पाटिल**	▶	◀	**राष्ट्रपति**

3.2_Hum kisi sey kam nhi.indd 5 08-02-2024 20:17:24

नवजोत— जी मैडम, याद आया कि हमारी पंचायत में हमारी सरपंच एक महिला हैं, तो क्या ये 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' वही है?

शिक्षिका— नहीं-नहीं। सरपंच पंचायत स्तर के चुनाव से चुने जाते हैं, जबकि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं के लिए संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण की बात करता है। प्रधानमंत्री जी ने उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए नारी शक्ति वंदन विधेयक संसद में प्रस्तुत किया। सभी राजनैतिक दलों ने इस पर चर्चा की और इसके लाभ देखते हुए इस अधिनियम को स्वीकृत किया।

शीतल— मैडम, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में 'वंदन' से क्या मतलब है?

शिक्षिका— भारत देश में प्राचीन समय से ही नारी को पूज्य माना जाता है, क्योंकि वो अलग-अलग रूपों में सहयोग, प्रेम और रक्षा प्रदान करती है। 'मनुस्मृति' में भी लिखा है—

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः।।

(मनुस्मृति 3:56)

(स्रोत— चौखम्बा संस्कृत सीरीज, बनारस, टीकाकार - हरगोविन्द शास्त्री)

अर्थात जहाँ स्त्रियों का आदर होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं। जहाँ उनका आदर नहीं किया जाता, वहाँ समस्त (अच्छी से अच्छी) क्रियाएँ (कर्म) निष्फल हो जाते हैं। इसीलिए इस अधिनियम में नारी को सम्मान देने के लिए वंदन शब्द का उपयोग किया है।

नेहा— अरे वाह! मैडम यह तो बहुत अच्छी बात है। अब ये अधिनियम हमको अच्छी तरह से समझ आ गया है, यानी अब हमारी शीतल और हम सब भी संसद की प्रतिनिधि बन सकती हैं।

शीतल कल्पना में स्वयं को संसद में भाषण देते हुए देखकर मन ही मन मुस्कुराती है।

गतिविधि 4

1. आप एक महिला के बारे में लिखिए, जिनसे आप बहुत प्रभावित हुए हों।
2. अपने विद्यालय में नाटक (रोल प्ले) द्वारा नारी शक्ति वंदन के प्रति सबको जागरूक कीजिए।

3.2_Hum kisi sey kam nhi.indd 6 08-02-2024 20:17:24

विषय 3.0 नारी शक्ति वंदन

3.1 एफ	अन्नू की चतुराई
3.2 पी	हम किसी से कम नहीं
3.3 एस	भारतीय कलाओं में महिलाओं का योगदान
3.4 एचएस	समानता एवं विकास में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी
3.5 एस	समाज के विकास में महिलाओं का योगदान
3.6 एम	महिला सशक्तीकरण— प्रगति एवं विकास का मार्ग
3.7 एस&एचएस	महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण

कवर चित्र सौजन्य : economictimes.indiatimes.com

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

3.2P_Hum kisi se kam nahini NSV Cover.indd 1 07-02-2024 16:46:29